

प्रेषक,

अमित सिंह नेगी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा),
ऊर्जा पार्क परिसर, इण्डस्ट्रियल एरिया,
पटेल नगर, देहरादून।

आपदा प्रबन्धन अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 28 जनवरी, 2016

विषय:- वित्तीय वर्ष 2015-16 में प्राकृतिक आपदा एस.पी.ए./ए.सी.ए.(आपदा 2013) के अन्तर्गत उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) की क्षतिग्रस्त लघु जल विद्युत परियोजनाओं की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण हेतु धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक ऊर्जा विभाग (अनुभाग-1) की पत्रावली संख्या-01/2015-03/11/2015 के माध्यम से उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वर्ष 2013 में आयी भीषण प्राकृतिक आपदा, बाढ़ एवं बादल फटने आदि के कारण जनपद पिथौरागढ़ एवं चमोली क्षेत्रांतर्गत उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण की क्षतिग्रस्त विभागीय परिसम्पत्तियों के पुनर्निर्माण हेतु संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार कार्यदायी संस्था द्वारा उपलब्ध कराये गये आगणनों के सापेक्ष वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के शासनादेश-44(21)PFI/2014-1334, दिनांक 27.01.2015 द्वारा अनुमोदित तथा वित्त विभाग की टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त निर्माण कार्य हेतु ₹ 770.33 लाख एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अनुसार कार्यवाही हेतु ₹ 217.02 लाख इस प्रकार औचित्यपूर्ण पायी गई कुल ₹ 987.35 लाख (₹ नौ करोड़, सत्तासी लाख, पैतीस हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
2. कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाय, जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
3. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों का ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाय।
4. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
5. विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
6. स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय।
7. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाय।

8. आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
9. वर्णित योजनाओं हेतु भारत सरकार द्वारा सी.एस.एस./केन्द्र पोषित योजनाओं के सम्बन्ध में निर्गत दिशा-निर्देश, मानकों एवं नियमों का पालन किया जायेगा तथा तत्काल सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।
10. सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिये यह स्वीकृति जारी की जा रही है तथा जिन योजनाओं की नियमानुसार स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित जिलाधिकारी/निदेशक, उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय।
12. सम्बन्धित निदेशक, उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण/आहरण एवं वितरण अधिकारी को अवमुक्त धनराशि का विवरण बी.एम.-10 पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार, उत्तराखण्ड, राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
13. कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित निदेशक, उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण/जिलाधिकारी/कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
14. त्रैमासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं व्यय विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2016 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा।
15. निदेशक, उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण द्वारा सक्षम अधिकारी के माध्यम से प्रश्नगत चालू कार्यों का मासिक रूप से भौतिक सत्यापन किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
16. यदि उक्त कार्यों में से किसी कार्य हेतु उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण के बजट से अथवा अन्य विभागीय बजट से कोई धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है तो उस योजना हेतु इस शासनादेश द्वारा स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण न करके धनराशि शासन को समर्पित कर दी जायेगी। स्वीकृत की जा रही योजनायें किसी अन्य मद से पूर्व में स्वीकृत न की गई हो, इस सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की दोहराव (Duplicacy) की स्थिति के लिये विभाग के निदेशक, उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे।

2— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-6 के लेखाशीर्षक-2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-03-एस.पी.ए./ए.सी.ए. (आपदा 2013) के अन्तर्गत ऊर्जा सेक्टर हेतु अनुदान-24-वृहत निर्माण कार्य मद के नामे डाला जायेगा।

3— यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-1172/XXVII(1)/2015, दिनांक 28.09.2015 में निर्गत आदेशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

(अमित सिंह नेगी)
सचिव

संख्या-257 (1)/XVIII-(2)/16-4(15)/2014, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबैराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- प्रमुख सचिव, ऊर्जा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- आयुक्त, गढ़वाल एवं कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
- 4- निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- अपर सचिव, वित्त एवं व्यय अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ एवं चमोली।
- 7- मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 8- निदेशक, कोषागार, 23, लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
- 9- राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 10- प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 11- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 12- गार्ड फाइल।

[Signature]
22-1-2014

आज्ञा से,
[Signature]
(अमित सिंह नेगी)
सचिव

शासनादेश संख्या-257 /XVIII-(2)/2016-4(15)/2014, दिनांक जनवरी, 2016 का संलग्नक

| क्र० सं० | जनपद का नाम | योजना का नाम | क्षमता | आगणन की लागत | स्वीकृत धनराशि (₹ लाख में) | |
|-------------|----------------|-----------------------------|--------|--------------------|--------------------------------|--|
| | | | | | निर्माण कार्य हेतु | उत्तराखण्ड अधि प्राप्ति नियमावली, 2008 के अनुसार |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1. | पिथौरागढ़ | रेलागाड़ लघु ज०वि० परियोजना | 3000 | 961.90 | 746.03 | 196.95 |
| 2 | पिथौरागढ़ | बरार लघु ज०वि० परियोजना | 750 | 18.04 | 17.54 | - |
| 3 | चमोली | थराली लघु ज०वि० परियोजना | 400 | 9.37 | 6.76 | - |
| 4 | चमोली | बद्रीनाथ लघु ज०वि० परियोजना | 1250 | 20.07 | - | 20.07 |
| | | योग | | | 770.33 | 217.02 |
| | | कुल योग | | | ₹ 770.33 + 217.02 = 987.35 लाख | |

(₹ नौ करोड़, सत्तासी लाख, पैतीस हजार मात्र)

(अमित सिंह नेगी)

सचिव
22-1-2016